Jai Hind Defence College, Bhopal

Assignment Questions

LLB 1ST Semester ***Family Law-I (Hindu Law)***

नोट : प्रत्येक खंड से पूछे गए प्रश्नों के अंक समान है। प्रत्येक खंड का उत्तर नवीन पृष्ठ से प्रारम्भ करें। समस्त प्रश्नों को अनिवार्यत: हल करें। उत्तर पुस्तिका की संख्या 16 पृष्ठों से अधिक न हो। विद्यार्थी द्धारा स्वंय की हस्तलिपि में उत्तर लिखना अनिवार्य है। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ट प्रिंट निकलकर फिल करें |

Note – All questions carry equal marks. All questions are mandatory and answer limit is 250 words for each question. Start each question from new page. Maximum limit of pages of answer booklet are approximately 16 pages. Answer should be written by the student in his /her own handwriting. The first page of answer sheet needs to be printed and filled accordingly for each subject.

Q1. How did the various school of Hindu Law arises? Distinguish between Dayabhag and Mitakshara school of Hindu Law.

हिन्दू विधि में विभिन्न शाखाओं का प्रादुर्भाव कैसे हुआ। दायभाग तथा मिताक्षरा हिन्दू विधि की शाखाओं में अंतर् बताइये।

Q2. Define gift when is it completed? Under what circumstances gift becomes void? Explain.

दान की परिभाषा कीजिए ? दान कब पूर्ण हो जाता है ?किन परिस्थितियों में दान शून्य होता है ? स्पष्ट कीजिए।

Q3. Discuss the powers of natural guardian under Hindu minorities and guardianship Act, 1956.In what cases such guardianship before exercising his power has to take the permission of the court? Explain.

हिन्दू अवयस्कता एवं संरक्षण अधिनियम 1956 के अंतर्गत एक हिन्दू अवयस्क के प्राकृतिक संरक्षक की क्या शक्तियाँ है ? किन मामलों में ऐसे संरक्षक को अपनी शक्ति का प्रयोग करने से पहले ऐसे मामलों में अदालत की अनुमति लेने के लिए क्या करना होगा? स्पष्ट कीजिए।

Q4. What are the void adoptions under Hindu adoption and maintenance Act, 1956? What is the effect of Adoption?

हिन्दू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत कौन से दत्तक शून्य है ?दत्तक ग्रहण का क्या प्रभाव होगा

Q5. Write Short notes on any two of the followings:

(i) Prohibited relationship
(ii) Cruelty as around of divorce
(iii) Conditions for voidable marriage
(iv) Stridhan property

निम्नलिखित में से किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

(i)प्रतिवैध नातेदारी
(ii) विवाह विच्छेद के आधार के रूप क्रूरता
(iii) शून्यकरणीय विवाह की शर्तें
(iv) स्त्रीधन सम्पत्ति